अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2016) | दिनांक 20.12.2016

प्रथम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ का इतिहास – 80

प्र.1 किन्हीं सोलह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए – 16

आचार्य भिक्षु (कोई बारह प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) स्वामीजी ने स्थानकवासी सम्प्रदाय में रहते किस व्याख्यान की रचना की?

(ख) आचार्य भिक्षु ने भाव दीक्षा कब कहाँ ग्रहण की?

(ग) तेरापंथ के प्रथम अंगभूत साधु कौन–कौन से थे?

(घ) स्वामीजी जब चुरु पधारे तब कितने भाई बहनों ने गुरु धारणा ग्रहण की?

(ड.) ''अंतिम चातुर्मास में स्वामीजी सहित यह सप्तर्षि–मंडल सिरियारी के भाग्य आकाश में अनुपम ज्योति लिए हुए आया।'' सप्तर्षि–मंडल में कौन–कौन से संत आते हैं?

(च) स्वामीजी ने अपने किस थोकड़े में साधुओं के कायाकल्प के सम्बन्ध में आगम–कथनों का संकलन एवं समीक्षा की?

(छ) स्वामीजी का स्वर्गवास हुआ उस समय सिरियारी में कितने गांवों के लोग उपस्थित थे?

(ज) आगमों के अनुसार धर्म का मूल क्या है?

(झ) ''हमारे यहाँ तो सुई टूट जाने पर तेले का प्रायश्चित आता है।'' इसके प्रत्युत्तर में स्वामीजी ने क्या कहा?

(ञ) 'धम्म जागरणा' का प्रारम्भ कब, कहाँ व किसके सान्निध्य में हुआ?

(ट) स्वामी भिक्खणजी के कुल गुरु कौन थे?

(ठ) बगड़ी और जैतसिंहजी की छतरी तेरापंथ के ऐतिहासिक स्थल कैसे बने?

(ड) तेरापंथ धर्मसंघ में विनय की परिपाटी को पुष्ट करने में स्वामीजी की किस रचना का सर्वाधिक सहयोग रहा?

(ढ़) आगमों के नैरत्तिक अध्ययन और मंथन से भिक्खणजी को क्या आभास हुआ?

आचार्य श्री भारमलजी (कोई चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(ण) मुनि भारमलजी स्वामीजी के साथ संघ की गतिविधियों के संचालन में कितने वर्ष तक सहयोगी रहे?

(त) मुनि भारमलजी चेचक ग्रस्त कब व कहाँ हुए?

(थ) आचार्य भारमलजी को चौविहार अनशन कितने प्रहर का आया?

(द) 'उवसग्ग' का अर्थ क्या है?

(ध) आगम में कितने कारणों से आहार परित्याग का आदेश दिया गया है? उनमें कौनसा कारण मुनि भारमलजी ने चुना?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए – 10

आचार्यश्री भिक्षु (किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) स्वामीजी ने शिथिलाचारी साधुओं की तुलना ''बलात की गई सती'' से कैसे की?

(ख) ''आपकी श्रद्धा के अनुसार श्रावक को देना अव्रत का पोषण है, वह धर्म न होकर पाप ही होना चाहिए।'' स्वामीजी ने इसके प्रत्युत्तर में क्या कहा?

(ग) हुंडी किसे कहते हैं तथा वे कौन–कौन सी है?

आचार्यश्री भारमलजी (कोई दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(घ) मुनि भारमलजी की दीक्षा कब व कहाँ हुई तथा दीक्षा लेते ही वे किसके शिष्य बने?

(ड.) केलवा के अन्तिम चातुर्मास में आचार्य भारमलजी के साथ कौन–कौन से सन्त थे?
(च) किशनगढ़ में शास्त्रार्थ के पश्चात सूरिजी ने साधुओं की तुलना किस प्रकार की? संक्षेप में लिखें।

आचार्य भिक्षु

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए – 18

(क) स्वामीजी द्वारा रचित ''आचार की चौपाई'' में उनके पथ आचार शैथिल्य पर बड़ी तीखी और करारी चोट करते हैं। उनके साहित्य के आधार पर संक्षेप में लिखें।
(ख) घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि स्वामीजी प्रत्युपन्न मति वाले व्यक्ति थे?
(ग) घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि स्वामीजी सत्य का पालन करने में जितनी तत्परता रखते थे, उतनी ही असत्य का उघाड़ कर देने में भी तत्पर रहते थे।

प्र.4 आचार्य भिक्षु के जीवन में घटित घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि उनका मूल लक्ष्य आत्मोद्धार था परन्तु जनोद्धार को भी वे बड़ा महत्त्वपूर्ण कार्य मानते थे। 15

'अथवा'

घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि ''दूसरा व्यक्ति परिश्रम कर लेने पर जो तत्त्व किसी के गले नहीं उतार पाता, स्वामीजी उसे सहज रूप में समझा देते।''

आचार्यश्री भारमलजी

प्र.5 घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि आचार्य भारमलजी एक अनुशासन प्रिय आचार्य थे। 6

'अथवा'

''गुजरीबाई के पत्र'' सम्बन्धित घटना प्रसंग लिखें।

प्र.6 आचार्य भारमलजी के अन्तिम समय का वर्णन करें। 15

'अथवा'

आचार्य भारमलजी के युग में उदयपुर से निष्कासन, पुनः निमन्त्रण व महाराणा द्वारा संघ की सेवा का सप्रसंग वर्णन करें।

तेरापंथ प्रबोध – 20

प्र.7 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें – 8

(क) अनुशासन.....हरै अन्धार हो।। (ख) उतरै आज.....सहकार हो।।
(ग) होनहार.....आकार हो।। (घ) आज रात.....हार हो।।
(ड) श्रावक बाग.....विचार हो।।

प्र.8 कोई तीन पद्य अर्थ सहित लिखें – 12

(क) भीखणजी स्वामी! भारी मर्यादा बांधी। गीत वाला पद्य।
(ख) स्वामीजी थारी साधना री मेरू सी ऊँचाई। गीत वाला पद्य।
(ग) म्हानै घणो सुहावै जी। गीत वाला पद्य।
(घ) अभिनिष्क्रमण.....बाजार हो।